वस्तुत विकास या विकासात्मक प्रशासन का अर्थ है विकास से सम्बन्धित प्रशासन (Administration concerning Development) । यह शेष प्रशासन से इस बात में तो समानता रखता है कि यह भी उसी तरह के नियम, एवं मानकों को औपचारिक रूप से आधार मानता है किन्तु यह उद्देश्य, क्षेत्र एवं जटिलता में भिन्न है। इसमें पुनर्निवेशन (Feedback) बाकी प्रशासन से अधिक मजबूत रहता है। विकास प्रशासन एक विशेष प्रकार के उद्देश्य की पूर्ति के लिए एक विशेष कार्यक्रम, एक उन्नयन की भावना तथा एक विशेष विचारधारा है। यह प्रशासन के स्थूल रूप से उतना सम्बन्धित नहीं जितना कि उसकी प्रकृति, दृष्टिकोण, व्यवहार, अभिव्यक्ति, आदि से है।

विकासशील प्रशासन अनिवार्य रूप से प्रशासन की परिवर्तन-उन्मुखी प्रशासनिक आचरण से सम्बद्ध धारणा है। यह मात्र पारम्परिक किस्म के प्रशासनिक कार्यों का ही अध्ययन नहीं है। यह विकास योजना और कार्यान्वयन के उपकरण के रूप में व्यवस्था के भीतर परिवर्तन की गति की ओर उन्मुखी है।

मॉण्टगोमेरी के शब्दों में, “विकास सामान्यत परिवर्तन के ऐसे सामान्य भाग को समझा गया है जो स्थूल रूप से पूर्व निर्धारित या योजनाबद्ध एवं प्रशासित किया गया हो या कम-से-कम सरकारी क्रिया द्वारा प्रभावित हो।" इसी से उन्होंने विकास प्रशासन को बहुत सीमित क्षेत्र में रखते हुए कहा है कि विकास प्रशासन अर्थव्यवस्था में योजनाबद्ध परिवर्तन लाता है (कृषि या उद्योग में, या इन दोनों में से किसी के सहयोग के लिए पूंजीगत आधार संरचना में) और कुछ कम सीमा तक राज्य की सामाजिक सेवाओं में (विशेषकर शिक्षा व जन स्वास्थ्य) । यह सामान्यत राजनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयत्नों से सम्बद्ध नहीं है।" जबकि प्रो. वाईडनर आर्थिक क्रियाओं के साथ राजनीतिक एवं सामाजिक पहलू को भी समान रूप से शामिल करते हुए लिखते हैं कि विकास प्रशासन प्रगतिशील राजनीतिक, धार्मिक एवं सामाजिक उद्देश्यों के चुनने तथा पूरा करने का साधन है जिसमें ये उद्देश्य अधिकारिक रूप से एक या दूसरे प्रकार से निश्चित किए जाते हैं।" संक्षेप में, वाईडनरने विकास प्रशासन को 'लक्ष्य-अभिमुखी' और 'परिवर्तन अभिमुखी' प्रशासन के रूप में परिभाषित करते हुए लिखा है, “विकास प्रशासन बुनियादी तौर पर एक कार्योन्मुखी, लक्ष्योन्मुखी प्रशासनिक तन्त्र है।" (Development Ad ministration is basically an action oriented, goal oriented administrative system.) उनके अनुसार विकास प्रशासन का सम्बन्ध विकास के लिए अधिक से अधिक नवीन प्रयोग करने से है। इसी विचार का समर्थन पाइ पानिन्दीकर करते हैं। उन्होंने सांस्थानिक पहलू पर अधिक बल देते हुए कहा है, "विकास प्रशासन उस संरचना, संगठन तथा संगठनात्मकव्यवहार से सम्बन्धित है जो सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवर्तन की उन योजनाओं एवं कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए है जिन्हें सरकार ने पूरा करना स्वीकार किया है।" फ्रेड रिग्स के अनुसार, विकास प्रशासन उन कार्यक्रमों और परियोजनाओं को पूरा करने के संगठित प्रयासों से सम्बन्धित है, जो विकास के उद्देश्यों की पूर्ति में संलग्न व्यक्तियों द्वारा प्रवर्तित किए जाते हैं। मार्टिन लैंडन की दृष्टि में विकास प्रशासन का अर्थ सामाजिक परिवर्तन लाने के प्रयत्नों से है।

संक्षेप में, 'विकास प्रशासन' लोक प्रशासन का वह पहलू है जो कि सरकारी प्रभाव के माध्यम से प्रगतिशील, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक लक्ष्यों में परिवर्तन पर जोर देता है। विकास प्रशासन के द्विमुखी लक्ष्य हैं— राष्ट्र निर्माण (Nation building) और सामाजिक-आर्थिक प्रगति (Socio-economic progress)। विकासशील देशों में लोक प्रशासन को जनता की समस्याओं के प्रति अधिक कार्योन्मुख (action-oriented), विकासोन्मुख (development-oriented) और परिवर्तनकर्ता उन्मुख (change agent-oriented) होना चाहिए। अर्थात् विकास प्रशासन लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अनवरत ढंग से कार्य करता है, उसका लक्ष्य समाज का बहुमुखी और नियोजित ढंग से विकास होता है और वह सामाजिक परिवर्तन के एक प्रमुख भकर्ता के रूप में कार्य करता एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के पिछड़े एव है। विकासशील देशों में लोक प्रशासन के इस नए आयाम को बड़ी तेजी से अपनाया गया है जिससे उनका bahumukhi vikas निर्धारित लक्ष्यबद्ध और योजनाबद्ध ढंग से हो सके।